



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 6 जुलाई, 2005/15 आषाढ़, 1927

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त कांगड़ा स्थित धर्मशाला

कार्यालय आदेश

धर्मशाला, 10 मई, 2005

संख्या पंच-के० बी० आर०-निर्वाचन-47-64.—उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो कि अधोहस्ताक्षरी को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 13 (4) के अधीन प्राप्त हुई हैं, मैं, भरत खेड़ा (भा० प्र० मे०), उपायुक्त कांगड़ा, स्थित धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश निम्न सारणी अनुसार ग्राम पंचायत/पंचायत समिति के पदाधिकारियों के मृत्यु/त्याग-पत्र के कारण पदों को रिक्त घोषित करता हूँ :—

क्र० सं०	विकास खण्ड का नाम	ग्राम पंचायत का नाम	पदाधिकारी का नाम	पद व वार्ड	न्याय पत्र/मृत्यु
1	2	3	4	5	6
1.	देहरा	बग	श्री मान सिंह	सदस्य वार्ड-4	मृत्यु के कारण ।
		खुर्गिया	श्री लक्ष्मण सिंह	सदस्य वार्ड-4	—उक्त—
2.	फतेहपुर	जगनोली	श्री चैन सिंह	सदस्य वार्ड-4	नीकरी लगने के कारण ।

1	2	3	4	5	6
		भोल खास	श्री वलदेव राज	प्रधान	मृत्यु के कारण ।
3.	पंचहखी	रतकड़ भेड़ी	श्री रजिन्द्र प्रकाश आचार्य	सदस्य वार्ड-5	प्रधान निर्वाचित होने के कारण ।
4.	न0-सूरियां	ग्रमलेला	श्रीमती सुदेश कुमारी	सदस्य वार्ड-1	नौकरी लगने के कारण ।
5.	भवारना	भगोटला	श्री सुखदेव सिंह	सदस्य वार्ड-1	मृत्यु के कारण ।
6.	परागपुर	गरली	श्री सरन दास	सदस्य वार्ड-3	मृत्यु के कारण ।
7.	कांगड़ा	पन्नेहड़ पासू	श्री सरूप कुमार	सदस्य वार्ड-4	नौकरी लगने के कारण ।

भरत खेड़ा,
उपायुक्त,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला ।

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

धर्मशाला, 15 जून, 2005

संख्या पंच-के0 जी0 आर0 ई0 (15) 216/83-1028. ग्राम पंचायत घुग्गर का अवधि 4/02 से 3/04 तक का अंकेक्षण श्री चैन सिंह, जिला अंकेक्षण अधिकारी एवं श्री अश्वनी कुमार अंकेक्षक द्वारा मास 5/04 में किया गया था तथा अंकेक्षण पत्र की प्रति आपको भी उपलब्ध करवा दी गई थी। उपरोक्त अंकेक्षण पत्र के अवलोकन पर पाया गया है कि आप द्वारा पंचायत के अभिलेख एवं विकास कार्यों में भारी अनियमितताएं बरती गई हैं। परिणामस्वरूप मु0 1,14,060.00 रुपये की पंचायत धनराशि आपसे बसूली योग्य बनती है जिसका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार में है : -

अंकेक्षण अवधि 4/99 से 3/02 :

पैरा सं0. 5(III) 8. मु0 835.00 रु0 की राशि प्रधान से बसूली योग्य है।

5(III) 10. मु0 220.00 रु0 की राशि प्रधान से बसूली योग्य है।

5(III) 12. मु0 1150.00 रु0 ईंटों के बिल में से 1150.00 रु0 की राशि प्रधान से बसूली योग्य है।

जवाहर ग्रामीण रोजगार योजना :

पैरा सं0. 4(III) 2.— बिना नाम ग्राह्यगी बेतन मस्टर रोल मु0 561.00 रु0 की राशि प्रधान से बसूली योग्य है।

अंकेक्षण अवधि 4/03 से 3/04 :

पैरा सं० 2 (ख) (2) 12.—प्रमाणक सं० 26 से 30 तक दिनांक 15-8-2003 तक सामग्री विकास कार्यों पर व्यय में से 9132.00 रु० की राशि प्रधान से वसूली योग्य है।

पैरा सं० 8(4).—पैरा में वर्णित स्थिति तकनीकी सहायक तथा तत्कालीन सचिव पंचायत के अनुसार निम्न विकास कार्य पंचायत क्षेत्र में हुए ही नहीं हैं जबकि इन पर व्यय दर्जा भर निम्न विवरण अनुसार व्यय राशि दर्ज रोकड़ करके राशि का छलहरण किया गया है :

क्र० सं०	नाम विकास कार्य	व्यय वर्ष	व्यय राशि
1.	छांग तराशी व्यय वार्ड नं० 1 से 2	2002-2003	3060.00
2.	निर्माण रास्ता वार्ड नं० 4	-उक्त-	19936.00
3.	निर्माण रास्ता डोहल मोहला	-उक्त-	16261.00
4.	निर्माण रास्ता हार नाले	-उक्त-	15054.00
5.	निर्माण रास्ता वार्ड नं० 3-11	-उक्त-	17868.00
6.	निर्माण रास्ता वार्ड नं० 5	2003-2004	14885.00
7.	निर्माण रास्ता वार्ड नं० 4	-उक्त-	15929.00
कुल योग ..			102993.00

उपरोक्त अनुसार सचिव पंचायत के साथ-साथ प्रधान भी बराबर का उत्तरदायी है। अतः 51496.00 रु० की राशि प्रधान से वसूली योग्य है।

पैरा सं० 8 (5).—हिमाचल ग्रामीण बैंक घुग्गर खाना सं० 1198 में से 28-5-2002 को 20,000/- रु० तथा दिनांक 28-5-2002 से 31-8-2003 के बीच 11700.00 रु० निकामी करवाई गई परन्तु इस राशि का कोई हिसाब दर्ज रोकड़ नहीं है। अतः इस राशि में से 15850.00 रु० प्रधान से वसूली योग्य है।

जवाहर ग्रामीण रोजगार योजना :

पैरा सं० 12(7).—एस०जी० आर० वार्ड० योजना के अन्तर्गत निम्न विकास कार्यों पर व्यय दर्ज रोकड़ किया गया है परन्तु ये कार्य मौका पर नहीं हुए हैं :—

क्र० सं०	नाम विकास कार्य	वर्ष	व्यय राशि
1.	निर्माण डंगा वार्ड नं० 2	2002-03	24970.00
2.	निर्माण रास्ता वार्ड नं० 3	2002-03	14995.00
3.	निर्माण पुली वार्ड नं० 2	2002-03	10075.00
4.	निर्माण डंगा राम चौक, वार्ड नं० 1	2003-04	19593.00
कुल योग ..			69633.00

इस प्रकार फर्जी व्यय डाल कर 69633/- रु० का छलहरण किया गया है जिसके लिए सचिव के साथ-साथ प्रधान का भी बराबर उत्तरदायित्व बनता है। अतः 34816.00 रु० की राशि प्रधान से वसूली योग्य है।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि श्रीमती सुदेश रानी, प्रधान ग्राम पंचायत घुग्गर द्वारा कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही बरती गई है व अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया गया है।

इसके अतिरिक्त इस कार्यालय के पत्र सं० पंच-के० जी० आर० ई० (15) 216/03-9097, दिनांक 1-11-2004 द्वारा आपको उपरोक्त वसूली योग्य राशि को मभा निधि में जमा करने हेतु कहा गया था परन्तु आपने आज तक इसकी कोई पालना नहीं की है।

क्योंकि इस प्रकार श्रीमती सुदेश रानी प्रधान ग्राम पंचायत घुग्गर के विरुद्ध मु० 1,14,060.00 रु० पंचायत निधि का दुरुपयोग/गबन करने तथा अपने कर्तव्यों के प्रति उपेक्षा के आरोप प्रकट हुए हैं।

अतः हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(2) तथा हि० प्र० पंचायती राज (मामान्य) नियम 1997 के नियम 142(क)(2) के अन्तर्गत मैं, हेम राज शर्मा, जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, श्रीमती सुदेश रानी प्रधान ग्राम पंचायत घुग्गर, विकास खण्ड भवारना को कारण बताओ नोटिज जारी करता हूँ कि इससे पूर्व कि आपके विरुद्ध आगामी कार्यवाही की जाए आपका उत्तर इस पत्र प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर खण्ड विकास अधिकारी, भवारना के माध्यम से कार्यालय में प्राप्त हो जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि आपको अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है तथा मामले में आगामी कार्यवाही हेतु यह कार्यालय विवश होगा जिसके लिए आप स्वयं उत्तरदायी होंगे।

महमन : दोषारोपण सूचि

हेम राज शर्मा,
जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला,
हिमाचल प्रदेश।

अनुसूचि-1

अभिकथन जिनके अन्तर्गत श्रीमती सुदेश रानी, प्रधान, ग्राम पंचायत घुग्गर, विकास खण्ड भवारना, जिला कांगड़ा के विरुद्ध आरोप पत्र अधिरोपित किया गया :-

क्योंकि ग्राम पंचायत घुग्गर के अवधि 4/02 से 3/04 तक के अंकेक्षण पत्र का अवलोकन करने पर पाया गया है कि श्रीमती सुदेश रानी, प्रधान, ग्राम पंचायत ने पंचायत अभिलेख एवं विकास कार्यों में भारी अनियमितताएं बरती हैं। परिणामस्वरूप मु० 1,14,060.00 रुपये की पंचायत धनराशि प्रधान से वसूली योग्य है जिसका विस्तृत व्यौरा उपरोक्त अंकेक्षण पत्र के अनुच्छेदों में निम्न प्रकार से दिया गया है :-

अंकेक्षण अवधि	पैरा संख्या	वसूली योग्य राशि	विवरण
1	2	3	4
4/99 से 3/02	5(3) 08	835.00	प्रधान, श्रीमती सुदेश रानी से वसूली योग्य।
	5(3) 10	220.00	-यथोपरि-
	5(3) 12	1150.00	ईंटों के बिल मु० 2300/- में से मु० 1150.00 रुपये प्रधान से वसूली योग्य।
जे० आर० वाई० 4/99 से 3/02	4(3) 2	561.00	प्रधान से वसूली योग्य।

1	2	3	4
4/03 से 3/04	2(ख) (2) 12	9132.00	प्रमाणक सं० 26 में 30 दिनांक 15-08-03 अनुसार विकास कार्यों पर सामग्री व्यय में से वसूली योग्य।
4/03 से 3/04	8(4)	51496.00	वर्ष 2002-03 तथा 03-04 में विभिन्न कार्यों पर मु० 102993.00 रुपये व्यय हुआ है परन्तु तत्कालीन सचिव एवं तकनीकी सहायक की सूचना अनुसार मौका पर यह कार्य नहीं हुए हैं। अतः पंचायत सचिव के साथ-साथ प्रधान भी व्यय की वरावर के उत्तरदायी हैं। अतः मु० 51496.00 रुपये की राशि प्रधान से वसूली योग्य है।
	8(5)	15850.00	हिमाचल ग्रामीण बैंक घुग्गर, पंचायत वचन खाता संख्या 1198 में से दिनांक 28-05-02 को मु० 20,000.00 रुपये तथा दिनांक 25-08-02 से 31-08-03 के बीच मु० 11,700.00 रुपये की राशि निकाली गई है। परन्तु उक्त समस्त राशि का कोई भी आय-व्यय हिसाब दर्ज रोकड़ में नहीं पाया गया। अतः उपरोक्त राशि में से मु० 15850.00 रुपये प्रधान से वसूली योग्य है।
जे० जी० एस० वाई०	12(7)	34816.00	जे० जी० आर० वाई० निधि द्वारा 4 विभिन्न विकास कार्यों पर मु० 69633.00 रुपये व्यय दर्ज रोकड़ हुआ है परन्तु मौका पर यह कार्य नहीं हुये हैं। अतः उक्त छलहरित राशि में से मु० 34816.00 रुपये की राशि प्रधान से वसूली योग्य है।

उपरोक्त संक्षिप्त विवरण अनुसार श्रीमती सुदेश रानी, प्रधान, ग्राम पंचायत घुग्गर द्वारा रोक 114060.00 रुपये की पंचायत धनराशि का दुरुपयोग किया गया है जिसकी पुष्टि तत्कालीन पंचायत सचिव तथा तकनीकी सहायक की रिपोर्ट एवं अंकेक्षण पत्र अवधि 4/2 से 3/04 के अन्तर्गत होती है क्योंकि श्रीमती सुदेश रानी, प्रधान, ग्राम पंचायत घुग्गर द्वारा अपनी शक्तियों का लापरवाही से दुरुपयोग करने हुए मिसीमगत से पंचायत धनराशि का दुरुपयोग/छलहरण करने के आरोप प्रकट हुये हैं।

अतः प्रधान, ग्राम पंचायत घुग्गर, विकास खण्ड भवारना का यह कृत्य हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम व नियमों की अवहेलना है जिस कारण उनके विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(2) जिसे हि० प्र० पंचायती राज (सामान्य) नियम 1997 के नियम, 142(क) (2) के माध्यम से कार्यवाही की जानी बांछित है।

हस्ताक्षरित/-
जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

अनुसूची-2

अभिकथन जिसके अन्तर्गत श्रीमती सुदेश रानी, प्रधान, ग्राम पंचायत घुग्गर, विकास खण्ड भवारना, जिला कांगड़ा के विरुद्ध लगाये गए आरोप सत्य सिद्ध हुए हैं।

यह कि ग्राम पंचायत घुग्गर, विकास खण्ड भवारना का अवधि 4/02 से 3/04 तक का अंकेक्षण श्री जैन सिंह, जिला अंकेक्षण अधिकारी तथा श्री अश्वनी कुमार अंकेक्षक पंचायत, कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला द्वारा मास 5/04 में किया गया है। अंकेक्षण पत्र की प्रति उपरोक्त

प्रधान, ग्राम पंचायत घुग्गर को भी उपलब्ध करवा दी गई थी। अंकेक्षण पत्र के विभिन्न अनुच्छेदों में दिए गए विवरणानुसार मु० 1,14,060.00 रुपये की पंचायत धनराशि उपरोक्त प्रधान से वसूली योग्य है।

अंकेक्षण पत्र एवं प्रधान द्वारा किए गए पत्राचार द्वारा यह भी स्पष्ट है कि प्रधान द्वारा पंचायत सचिव की मिलीभगत से पंचायत धनराशि का दुरुपयोग किया गया है।

उपरोक्त तथ्यों से यह स्पष्ट है कि प्रधान, ग्राम पंचायत घुग्गर पर लगाए गए आरोप तथ्यों के अनुकूल हैं। उक्त प्रधान द्वारा अपने पद व शक्तियों का दुरुपयोग किया गया है। अतः प्रधान, ग्राम पंचायत घुग्गर के विरुद्ध हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(2) जिसे हि० प्र० पंचायती राज (सामान्य) नियम 1997 के नियम, 142(क) (2) के अन्तर्गत पढ़ा जाए कार्यवाही की जानी वांछित है।

हस्ताक्षरित/-
जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

अनुसूची-3

उन दस्तावेजों की सूची जिनके अन्तर्गत श्रीमती सुदेश रानी, प्रधान ग्राम पंचायत घुग्गर, विकास खण्ड भवारना, जिला कांगड़ा के विरुद्ध लगाए गए आरोप सिद्ध होते हैं।

1. अंकेक्षण पत्र अवधि 4/02 से 3/04 तक।
2. तकनीकी सहायक एवं पंचायत सचिव, घुग्गर द्वारा प्रेषित विकास कार्यों की मूल्यांकन रिपोर्ट।

हस्ताक्षरित/-
जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।

अनुसूची-4

उन गवाहों की सूची जिनके अन्तर्गत श्रीमती सुदेश रानी, प्रधान, ग्राम पंचायत घुग्गर, विकास खण्ड भवारना, जिला कांगड़ा के विरुद्ध लगाए गए आरोप सिद्ध होते हैं:—

1. सर्वश्री चैन सिंह, जिला अंकेक्षण अधिकारी (पंचायत), अश्वनी कुमार अंकेक्षक पंचायत, कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला।
2. श्री विनोद कुमार तथा विजय कुमार, तत्कालीन सचिव, ग्राम पंचायत घुग्गर, विकास खण्ड भवारना।
3. श्री कुलभूषण, तत्कालीन तकनीकी सहायक, ग्राम पंचायत घुग्गर, विकास खण्ड भवारना, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

हस्ताक्षरित/-
जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला।